1136
22/2/13

खण्ड-8 संख्या-6

एकादश बिहार विधान-सभा वादवृत्त

(कार्यवाही भाग-2, प्रश्नोत्तररहित)

सत्यमेव जयते

सोमवार

तिथि 3 मार्च, 1997 ई०

1136
22/2/13

खण्ड-8 संख्या-6

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

कार्यवाही भाग-2 (प्रश्नोत्तर-रहित)

सोमवार, तिथि 3 मार्च 1997 ई०

विषय-सूची

		पृष्ठ संख्या
(क)	बिहार राज्य विद्युत बोर्ड का प्रतिवेदन वर्ष 1993-94	5
(ख)	बिहार राज्य डेयरी कॉरपोरेशन लिमिटेड का 1974-75 वार्षिक लेखा प्रतिवेदन	5
(ग)	लोक महत्त्व के विभिन्न विषयों की चर्चा करते हुए निदान हेतु मांग	6

याचिकाओं का उपस्थापन 22

वित्तीय कार्य : लेखानुदान व्यय विवरण-1997-98 22

विधायी कार्य : राजकीय (वित्तीय) विधेयक
बिहार विनियोग लेखा अनुदान विधेयक

निवेदनों का उपस्थापन

दैनिक निबंध : 23

नोट : किन्हीं भी मंत्रियों एवं सदस्यों ने अपना भाषण संशोधित नहीं किया है।

बिहार विधान-सभा

(विधान-सभा वादवृत्त)

सोमवार, तिथि 3 मार्च, 1997 ई०

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

(सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में सोमवार, तिथि 3 मार्च 1997 को पूर्वाह्न 11.00 बजे अध्यक्ष श्री देवनारायण यादव के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।)

सभा मेज पर कागजात का रखा जाना

बिहार राज्य विद्युत बोर्ड का प्रतिवेदन वर्ष 1993-94

श्री जगदानन्द सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं बिहार राज्य विद्युत बोर्ड का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 1993-94 की प्रति विद्युत आपूर्त्ति अधिनियम 1948 की धारा 69 (4) (5) (ए) के अन्तर्गत सदन की मेज पर उपस्थापित करता हूं।

बिहार राज्य डेयरी कारपोरेशन लिमिटेड का 1974-1975 वार्षिक लेखा प्रतिवदेन

श्री भोलाराम तूफानी : अध्यक्ष महोदय, मैं बिहार राज्य डेयरी कॉरपोरेशन लिमिटेड का वार्षिक लेखा प्रतिवदेन (वर्ष 1974-75, 1975-76, 1976-77, 1977-78 एवं 1978-89) कम्पनी अधिनियम 1956 के खण्ड-619 (ए) अन्तर्गत सदन के मेज पर उपस्थापित करता हूँ।

अध्यक्ष : अब शून्यकाल होगा।

(इस अवसर पर माननीय सदस्या श्रीमती चन्द्रमुखी देवी, तख्ती लेकर बोलने के लिए खड़ी हुईं)

अध्यक्ष : माननीय सदस्या, पृथ्वी का भार संभालने वाली महिला होती है। इसलिए माननीय सदस्या श्रीमती चन्द्रमुखी देवी जी, ये तख्ती लेकर खड़ी हैं, मैं चाहता हूं कि पहले आप तख्ती हटा दें और उसके बाद बोलें, उनको क्या कहना है?

लोक महत्व के विभिन्न विषयों की चर्चा करते हुए निदान की मांग

श्रीमती चन्द्रमुखी देवी : अध्यक्ष महोदय, पिछले पांच दिनों से मैंने एक महिला के मामले को शून्यकाल में दिया, अवसर नहीं मिला लेकिन आज यह गम्भीर मुद्दा मेरे सामने आ गया है। विधान सभा के बाहर एक महिला श्री योगेश्वर गोप की पुत्रवधू श्रीमती रश्मि यादव एक छोटे बच्चे को गोद में लेकर बाहर खड़ी है। बच्चा भूख से बिलबिला रहा है। मुख्यमंत्री यहां पर उपस्थित हैं और वह महिला आयोग के अध्यक्ष भी हैं, उनके होते हुये महिला के प्रति इतना अन्याय इस प्रदेश में हो रहा है। मैं आपके माध्यम से न्याय की गुहार लगाती हूं। अध्यक्ष महोदय श्री योगेश्वर गोप की पुत्रवधू बाहर खड़ी है लेकिन उसको न्याय नहीं मिल रहा है।

एक महिला श्रीमती रामरती देवी जिसके साथ बलात्कार हुआ दानापुर कैन्ट में। वह महिला चार दिनों तक इधर से उधर दौड़ती रही तब उसकी चिकित्सा जांच हुई। मैं पूछना चाहती हूं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से कि क्या चिकित्सा जांच में इसकी पुष्टि होगी जिसके साथ बलात्कार हुआ हो और चार दिनों के बाद उसकी जांच हो। क्या कारण है कि अपराधियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं?

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जानना चाहती हूं, आज के समाचार पत्र में छपा है कि कहलगांव में बंध्याकरण ऑपरेशन हो रहा था, जिसमें दो महिलाओं की मृत्यु हो गई और पांच महिलायें गम्भीर रूप से जीवन

और मरण से जूझ रही हैं। यह सारा मामला समाचार पत्र में आया है। वहां का डॉक्टर कैम्प छोड़ कर भाग गया है। अध्यक्ष महोदय मैं आपके माध्यम से जानना चाहती हूं कि इस प्रदेश में महिलाओं के साथ अन्याय क्यों हो रहा है?

अध्यक्ष : आपने जितनी बातें कहीं सरकार ने इसका नोटिस लिया और इस पर कार्रवाई करेगी। आप बैठ जाइये।

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, कम से कम इन लोगों को यह काम छोड़ देना चाहिये। आप लिख कर जो लाई हैं। पलेकार्ड, कि एक महिला गोद में बच्चा लेकर बाहर खड़ी है, आप यह पलेकार्ड दिखा रही हैं जो कि सिज्ड है। यह ठीक है आपने लाया श्रीमती रश्मि यादव को, मैं अभी जब प्रवेश कर रहा था तो देखा कि वह बच्चा को गोद में लेकर खड़ी है। यह प्लान करके आपलोगों ने खड़ा कर दिया है। महोदय, श्री योगेश्वर गोप के पुत्र ने इससे लभ मैरेज किया, विजय से बच्चा भी हुआ, वह भी मेरे यहां आये थे, उस बच्ची के इशू होने के बाद, श्री बाबू लाल शास्त्री जो पुराने आदमी हैं, हमलोगों के दल में हैं, समाजवादी भी हैं, गरीब आदमी हैं, उनकी बेटी पतोह है गोपजी की। श्रीमती रश्मि यादव आजकल देश भर के सभी पत्र-पत्रिकाओं में, उनकी खबर आ रही है और लोग इसको पोलिटिकलाइज कर रहे हैं। गोपजी मेरे यहां आये थे और शास्त्रीजी भी मेरे यहां आये थे। मैंने कहा कि यह घरेलू झगड़ा है, मैं इसमें नहीं पडूंगा, यह बात मेरे माथे पर नहीं डालिये। केस किया गया है, इसका मुकदमा किया गया है। पटना की कलक्टर श्रीमती राज बाला वर्मा ने इस महिला को बच्चा पैदा होने के बाद सर्किट हाउस में लाकर रख दिया, सुरक्षित जगह रखवा दिया गया। उसके बाद यह आरोप हमलोगों पर आया कि सरकारी कार्यालय में रखकर हमको फंसा रहे हैं। आप यह कर रहे हैं, वह कर रहे हैं, बीसों तरह की बात आने लगी। मैंने साफ-साफ कहा है कि आप इसको ले जाइये। हमारे दल के भी कुछ एम॰एल॰ए॰ आये और कहा कि इसका फैसला आप कुछ कर दीजिये। इसका कोई उपाय कीजिये। गोपजी को मैंने अपने घर पर राजबाला वर्मा के सामने खुद कहा था कि इस महिला और बच्चे को जो इनकी पुत्रवधू है को

लेकर इनके घर पर पहुंचा दीजिये।

जब सड़क निर्माण का उद्घाटन हो रहा था, तो वहां भी आ गयी। उस लड़के ने एक ब्याह और किया है, कोई पदाधिकारी हैं फतुहा में यादव जी, उनकी लड़की है उसके साथ। यह सारी समस्याएं हैं, सब चीजों का फैसला हम कैसे कर दें। एक बार एक आफिसर के बारे में हमने समझाने का काम किया, वह एक आई॰ए॰एस॰ आफिसर है, वह यहीं है, उसकी पत्नी ब्राह्मण है, मैंने उसे समझाने का काम किया तो मुझे कई तरह से प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा। वह मर भी गई, वह लेकचरर थी।

इस मामले में हमारे और सरकार की भी चिन्ता है कि इसका सेटेलमेन्ट हो जाये और यह तो वही लोग कर सकते हैं, इसमें सरकार क्या कर सकती है। सरकार के सामने जो सवाल आया है, वह हमसे भी मिली थी पटना विमेन्स कॉलेज के सामने। यह अच्छी बात नहीं है, गोपजी हमारे वस में हैं क्या! कोई आदमी हमारे वस में है कि लाकर उसको वहां रखवा दें, बाद में मार दे। जो हमने कहा; दहेज वाली बात और प्रताड़ना वाली बात, यह बहुत खराब बीमारी है। गोपजी से तो हमलोग यही कहेंगे कि इस मामले का हल निकालें और इसको सेटल करें। अब तो समय यह आ रहा है कि हर बाप जब बेटा की शादी करे तो उसको निश्चित रूप से बेटा से अलग होनेवाला कानूनी सर्टिफिकेट ले लेना पड़ेगा अन्यथा जो यह आजकल चल रहा है, जिस तरह का ट्रेन्ड चल रहा है, कोई मां-बाप और उसका रिश्तेदार नहीं बचेगा, शादी के बाद उसको जेल जाना पड़ेगा। इसलिये हमारा सुझाव है कि जब आप अपने बेटा की शादी कर दीजिये तो अपनी जान बचाने के लिये कानूनी तौर पर अलग हो जाइये।

श्री सुशील कुमार मोदी : इसमें एफ॰आई॰आर॰ दर्ज हुआ, इसमें संबंधित व्यक्ति की गिरफ्तारी होनी चाहिए।

श्री लालू प्रसाद : सामाजिक स्तर पर निपटारा करने का प्रयास करेंगे।

(शोर गुल)

अध्यक्ष : श्रीमती चन्द्रमुखी देवी से मैं आग्रह करना चाहता हूं कि इसमें बात यहीं पर छोड़ दीजिये, इसको एमिकएबुल सेटेलमेन्ट होगा, बैठ जाइये, मामला को बिगाड़िये नहीं, मामला ठीक से सुलझ जाये इसका प्रयास हो रहा है।

श्री सुशील कुमार मोदी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री लक्ष्मण स्वर्णकार वाली रिपोर्ट का क्या हुआ?

अध्यक्ष : आप इनका काम बनाना चाहते हैं या बिगाड़ना चाहते हैं, आप बैठिये ना। माननीय सदस्य श्री लक्ष्मण स्वर्णकार को बोलने दीजिये।

(शोरगुल)

(इस अवसर पर माननीय सदस्य श्री गिरिनाथ सिंह भी बोलने के लिये खड़े हो गये।)

श्री लालू प्रसाद : मैंने कई बार कहा कि जो सदन में हमारे माननीय सदस्य श्री गिरीनाथ सिंह जी उठाना चाहते हैं, श्री रामदेव राम जो भारतीय जनता पार्टी के पूर्व एम०पी० हैं उनके बेटे की हत्या उग्रपंथियों ने कर दी। सरकार ने निर्णय लिया है कि हम उनको एक लाख रुपया मुआवजा देंगे। वह दलित और गरीब आदमी हैं। उन्हें हम, रामदेव जी को एक लाख रुपया देंगे और उनके घर में कोई लड़का होगा तो अनुकम्पा के आधार पर उसको नौकरी दी जायेगी। बी०जे०पी० वालों ने कोई ख्याल नहीं किया। यह साहुकारों की पार्टी, सामन्ती लोगों की पार्टी है, इन लोगों ने उसका कुछ ख्याल नहीं किया, इन लोगों ने कुछ नहीं किया, हम तो एक लाख रुपया उनको देने को कह रहे हैं।

(शोरगुल)

श्री इंदर सिंह नामधारी : मैं प्वाएंट ऑफ इंफारमेशन पर खड़ा हूं। अभी माननीय मुख्यमंत्री ने बड़ी कृपा के साथ हमारे पूर्व के मित्र और भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद थे उनको एक लाख रुपया और अनुकम्पा के आधार पर घोषणा की है नौकरी के लिये आश्वासन दिया है। मोदी जी ने यह बात उठाई कि नौकरी दी जानी चाहिये लेकिन मैं यह जानना चाहता हूं कि प्रदेश

अध्यक्ष, भाजपा ने यह घोषणा की थी कि भाजपा का एक प्रतिनिधिमण्डल वहां पर जायेगा लेकिन वह वहां पर आजतक नहीं गया, इनके कोई पदाधिकारी रामदेव जी को देखने नहीं गया। मैं गया।

श्री सुशील कुमार मोदी : इस सरकार को एक हरिजन, भूतपूर्व सांसद के बेटे की हत्या हो गयी, नामधारीजी को तो इस्तीफा दे देना चाहिये। एक लाख रुपया देने की बात कर के बहुत बड़ा कर दिया क्या। आप उसके बेटे को वापस लायेंगे क्या?

श्री इन्दर सिंह नामधारी : मेरी केवल एक बात है मोदी जी, मैं कह रहा हूं कि आपके प्रदेश अध्यक्ष ने घोषणा की थी कि हमारे प्रतिनिधिमंडल श्री रामदेव राम के घर जायेगा, लेकिन कोई भी नहीं गया आज तक, कोई नहीं गया श्री रामदेव राम के घर पर, वे बिलख रहे हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के एक भी विधायक उनको देखने नहीं गया, एक आदमी देखने नहीं गया।

श्री सुशील कुमार मोदी : एक लाख रुपया देकर सरकार खरीद नहीं रही है, उनकी हत्या हुई, उनको तो इस्तीफा देना चाहिये था, मंत्री महोदय को तो इस्तीफा देना चाहिये।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठिये, मैंने माननीय सदस्य श्री अम्बिका प्रसाद को बुलाया है।

श्री अम्बिका प्रसाद : माननीय अध्यक्ष महोदय, (**व्यवधान**) अध्यक्ष महोदय, वर्ष 1996 के बाढ़ में बिहार के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में सहाय्य कार्य के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री जी ने घोषणा की थी कि एक क्वींटल गेहूं, पांच किलो चना और अन्य सामान। पिरपैंती विधान क्षेत्र में, मेरे निर्वाचन क्षेत्र में 40 प्रतिशत लोग जो राहत कार्य गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों को, आज तक नहीं मिला, एक क्वींटल की बात छोड़िये, 50 किलो करके मिला है 60 प्रतिशत लोगों को। मैंने आश्वासन दिया है लोगों को कि माननीय मुख्यमंत्री से मिल कर मैं दिलवा दूंगा, माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से

माननीय मुख्यमंत्री से आग्रह करता हूं कि वहां जो आपने घोषणा की थी इसके मुताबिक उन गरीबों को राशन मुहैया करें।

श्री लालू प्रसाद : महोदय, माननीय सदस्य श्री अम्बिका प्रसाद ने राहत के बारे में चर्चा की है, हमने जो राहत संबंधी घोषणा की थी वह मिला, जहां कम थे वहां नहीं मिला आप जब वहां कहें कि मुख्यमंत्री से मिलकर दिलवायेंगे, नहीं मिला तो इसके लिये जिम्मेवार आप हैं, इस संबंध में आप कभी मुझ से मिले नहीं, आज असेम्बली में यहां बोल रहे हैं जब कि गर्मी आ गई अब बाढ़ नहीं है, अगर आप मिले रहते तो समय पर लोगों को मिलता, जिनको नहीं मिला, उसके लिये जिम्मेवार आप हैं।

मुख्यमंत्री जी एक दो माननीय सदस्य श्री लक्ष्मण स्वर्णकार जी का का मामला बहुत दिन से चला आ रहा है।

श्री लक्ष्मण स्वर्णकार : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री ने विधान सभा में 27 दिसम्बर को इसी विधान-सभा में कहा था कि हाऊस की एक समिति बना दी जाय और हाऊस की समिति बनने के बाद लक्ष्मण स्वर्णकार के यहां जो लूट-पाट हुई है, जिस अधिकारी ने लूटा है, उस अधिकारी के विरुद्ध सख्त-से-सख्त कार्रवाई करेंगे, जिस पर माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने कहा था कि अविलम्ब स्थानान्तरण तो कर दिया जाय तब माननीय मुख्यमंत्रीने कहा था कि स्थानान्तरण कोई पनिशमेन्ट नहीं होता है, समिति की रिपोर्ट आ गई है उसके अनुसार गिरिडीह के उपायुक्त श्री के० के० पाठक का स्थानान्तरण अविलम्ब करके कार्रवाई करें और जिस अधिकारी ने मेरे घर को लूटा है, उसको सजा मिले।

श्री लालू प्रसाद : ठीक है, मैंने कहा था कि इसकी जांच करायेंगे। लूट हुआ है तो मुकदमा हुआ होगा पुलिस में, अगर पुलिस ने नहीं किया, इन्कार कर दिया तो सी०आर०पी०सी० में व्यवस्था है कोर्ट में जाकर मुकदमा करेंगे और कोर्ट काग्जिनेंस लेता है, लूट की बात जब तक प्रमाणित नहीं होती है, महोदय, क्राईम की जो बात है, सदन की कमिटी जो है-ठीक है, वह जाकर देखी है, हमने आश्वासन दिया था, ठीक है इसको देख लेंगे। कमिटी

की रिपोर्ट हमारे सामने उपस्थापित नहीं हुई है, मार्च का महीना है, हम इस पर विचार करे रहे हैं, जो भी कलक्टर बदले जायेंगे, अभी मार्च के बाद ही अदला-बदली करेंगे।

श्री सुशील कुमार मोदी : विधान सभा की कमिटी की रिपोर्ट आ गई है, अनुशंसा की है।

श्री लालू प्रसाद : कमिटी की रिपोर्ट आई है, लेकिन मेरे सामने नहीं आई है, प्रोसेस करके मेरे सामने आयेगी। कमिटी की जो रिपोर्ट है, कमिटी का जो सुझाव होता है, वह कोई मेन्डेटरी नहीं होता है, सरकार के सामने जब आयेगी तो सरकार उसको देखेगी और जो हमने कमिटमेंट किया था, यह बात सही है, हम वहां से बदल देंगे, मार्च के बाद बदलेंगे महोदय।

श्री लक्ष्मण स्वर्णकार : माननीय मुख्यमंत्री ने उस समय कहा था- हम किस के पास जायेंगे? मेरे घर में डी०सी०......

(व्यवधान)

श्री सुशील कुमार मोदी : विधान-सभा की कमिटी ने अनुशंसा की। विधान-सभा की कमिटी रिपोर्ट दे, अनुशंसा करे और उस पर सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर सकती है तो फिर सदन की समिति बनाने का क्या अर्थ रह जायेगा? जब माननीय मुख्यमंत्री ने सदन में घोषणा की थी, जब आपने घोषणा कर दिया तो फिर मार्च तक क्यों इंतजार करेंगे?

(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : विधान-सभा की कमिटी की जो रिपोर्ट है वह मेन्डेटरी नहीं है।

(व्यवधान)

श्री सुशील कुमार मोदी : आपकी घोषणा है, उस पर कार्रवाई कीजिये।

श्री लक्ष्मण स्वर्णकार : क्या आप बोलते हैं और क्या मोदी जी बोलते हैं- माननीय अध्यक्ष महोदय, विधान-सभा के माननीय सदस्य का मामला है, अगर इस मामले को राजनीतिकरण करेंगे तो बहुत दुःखद है माननीय मुख्यमंत्री जी।

(व्यवधान)

श्री अजीत सरकार : माननीय अध्यक्ष महोदय, कार्य-स्थगन प्रस्ताव का क्या हुआ?

अध्यक्ष : कार्य-स्थगन प्रस्ताव को मैंने अस्वीकृत कर दिया।

(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : आपका घर टूटा है, नुकसान हुआ है, कमिटी की रिपोर्ट में हैं, इसका अरेंजमेंट करके उतना क्षतिपूर्ति आपको देगें बाकी पर एडमिनिस्ट्रेटीभ कार्रवाई करेंगे।

श्री लक्ष्मण स्वर्णकार : क्षति का मामला नहीं है, मेरे घर को लूटा, बेइज्जत किया गया, बेइज्जती का मामला है, विधायक को अगर बेइज्जत किया जायेगा तो वे फिर विधायक किस दिन के लिये रहेंगे? माननीय मुख्यमंत्री, राजनीति इसमें न करें। कहिये तो मैं विधान-सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दूंगा।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : क्यों इस्तीफा दीजियेगा? बैठिये।

श्री लक्ष्मण स्वर्णकार : इस मामले में राजनीति मत कीजिये मुख्यमंत्री जी, मेरा निवेदन है कि मोदी जी, भारतीय जनता पार्टी या आपका जो भी मामला हो, इस पर राजनीति मत कीजिये।

(इस अवसर पर माननीय सदस्य श्री लक्ष्मण स्वर्णकार सदन के वेल में चले आये।)

श्री नगेन्द्र प्रताप सिंह : यह सम्पूर्ण विधायक का मामला है, आपने सदन की कमिटी बना दी , कमिटी ने अनशरण कर दी–यह दुःखद मामला है।

(व्यवधान)

अजीत सरकार : अध्यक्ष महोदय, कार्य–स्थगन प्रस्ताव का क्या हुआ?

अध्यक्ष : आप बैठिये न। हम पुकारते हैं। काम रोकने वाला प्रस्ताव को मैंने अस्वीकृत कर दिया है।

अजीत सरकार : माननीय अध्यक्ष, मुझे कहने का मौका तो दीजिये।

(व्यवधान)

अश्विनी कुमार चौबे : अध्यक्ष महोदय, आपने सदन की समिति बना दी,.................

राधा कृष्ण किशोर : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री राजोसिंह की अध्यक्षता में यह कमिटी गठित हुई थी, हमलोगों ने यह फैसला किया था कि अगर माननीय सदस्य श्री लक्ष्मण स्वर्णकार जी की कहीं से भी गलती नजर आयेगी तो उसको प्रोसिडिंग्स में दर्ज करेंगे, लेकिन आपको जानकर आश्चर्य होगा कि कमिटी गिरिडीह गई और इस कमिटी ने यह पाया कि माननीय सदस्य श्री लक्ष्मण स्वर्णकार के ऊपर जिस तरह से यातनायें दी गई हैं- मैं तो कहूंगा लोकतंत्र में विधायकों को रक्षा करनी है तो विधायक की रक्षा करनी है तो विधायक की रक्षा करने हेतु सरकार को कमिटी की रिपोर्ट के आलोक में अविलम्ब कार्रवाई करना पड़ेगा।

श्रीमती मंजू प्रकाश : अध्यक्ष महोदय, 26-7-96 को सदन में सरकार द्वारा आश्वासन दिया गया था कि फतुआ फुलवारीशरीफ ग्राम्य विद्युत् सहकारी समिति को विद्युत बोर्ड एसेट और लाएबलिटिज कर्मचारी सहित टेकओवर करेगी। किन्तु ऊर्जा विभाग द्वारा टेकओभर करने का जो पत्र निकला है उसमें कर्मचारी को छोड़ दिया गया है। उससे कर्मचारियों के सामने भूखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गयी है।

(इस बीच माननीय सदस्य श्री लक्ष्मण स्वर्णकार सदन के वेल में आकर धरना पर बैठ गये।)

श्री रामदेव वर्मा : अध्यक्ष महोदय, 18 फरवरी, 97 से बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के कर्मचारी वर्ष 1990, 1991-92, 1993 एवं 94-95 के समझौतों को कार्यान्वित करवाने और ज्वलंत जन समस्याओं के समाधान हेतु हड़ताल पर हैं। इसका तत्काल समाधान निकालने की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए सदन में सरकार का वक्तव्य चाहता हूँ।

इस बीच माननीय सदस्य श्री जबाहर पासवान अपने बेंच पर खड़े होकर बोलने लगे।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, पहले आप बेंच पर से उतर जाईए।

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने अभी जो सवाल उठाया। सचमुच पूरा प्रशासन ठप्प हो गया है। सरकार को इस पर तुरंत ऐक्शन लेना चाहिए।

श्री लालू प्रसाद : महोदय, यह आन्दोलन जन विरोधी है। ये कर्मचारी जो योगेन्द्र सिंह गुट के हैं इनलोगों की आदत है साले साल, साल के अंतिम महीने में सरकार के आय को ठप्प करने का, वार्गेन करने का ये लोग काम करते हैं। एक-एक मांग को हमने माना था। मांग ही नहीं माना था, अब उनमें बहुत सारी उनकी मांगों में खामियाँ थीं उसके ऊपर भी हम चुप्प हो गये। आज ये बिहार के कुछ अस्पतालों में, खंडों में प्रभावित करके बिहार के जनता के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। यह अच्छी बात नहीं है। इस हड़ताल के बारे में इस बार सरकार ने निर्णय लिया है कि हड़ताल पीरियड को रिस्टोर नहीं करेंगे, एक पैसा भी पेमेंट नहीं करेंगे। हम काम को जनता के सहारे करायेंगे और अराजपत्रित कर्मचारियों का चुनाव हम चार महीने के अंदर करायेंगे डायरेक्ट वैलेट के आधार पर ताकि सही कर्मचारी के लीडर का उदय हो और उसी से बात करेंगे, चुनाव के आधार पर लीडर का चुनाव होगा। सबसे ज्यादा तनख्वाह हम देते हैं, हम झुकने वाले नहीं हैं, हम बिहार की जनता के सामने बोल कर जा रहे हैं।

श्री मृगेन्द्र प्रताप सिंह : अध्यक्ष महोदय, मानगो जमशेदपुर इलाके में पानी से संबंधित समस्या है और सिंचाई मंत्री यहां बैठे हुये हैं। चाण्डील डैम से पानी बांध दिया गया है। टाटा से आपकी जो लड़ाई चलती हो लेकिन बांध से पानी बांध दिए जाने के कारण जमशेदपुर के अन्तर्गत मानगो एक अलग अधिसूचित क्षेत्र है। वहाँ की आबादी डेढ़ लाख की है। वहाँ डैम से पानी नहीं पहुँचाया जा रहा है इसके कारण वहाँ पानी की दिक्कत हो गयी है। अभी मार्च शुरु हुआ ही है कि वहाँ के विभिन्न मुहल्ले में लोग पानी बाल्टी से ढो रहे हैं, चापाकल वगैरह काम नहीं कर रहा है। पानी की स्थिति दयनीय हो गयी है। पानी की यह दयनीय स्थिति उपायुक्त के सामने भी एक समस्या के रूप में खड़ी है। मेरा मंत्री जी से आग्रह है, आपकी लड़ाई टाटा से जो हो, आप उनसे पैसा लीजिये लेकिन आज मानगो क्षेत्र के लोग पानी के बिना परेशान हो रहे हैं उनकी समस्याओं को देखा जाय, यही मेरा आग्रह है।

श्री जगदानंद सिंह : महोदय, मैं आपके माध्यम से जानकारी दे दूँ कि जितने पानी की मांग हमसे की जा रही है, उतना हम पानी दे रहे हैं और अधिक पानी की जब आवश्यकता है जो उसके अधिकारी हैं उसकी मांग करें तो उनके लिए उतना पानी छोड़ा जायगा। केवल आपको देखना होगा कि उस पानी को फिर कोई ड्रा न कर लें। जो टाटा मांगता है सरकार उनको पानी देना है। हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार करना था कि इतना पानी देते रहिये। और वहाँ पानी लगातार दिया जा रहा है लेकिन जमशेदपुर के नीचे जो आपका इलाका है मानगो उस इलाके को अलग से पानी बिहार सरकार दे रही है, उसके लिए कितने पानी की आवश्यकता है वह आप बतायें, मैं आपके सामने पानी छोड़वा दूँगा केवल आपसे आश्वासन चाहूँगा कि उस पानी को कोई दूसरा न ड्रा कर ले।

श्री अर्जुन मंडल : अध्यक्ष महोदय, जमुई जिला के खैरा प्रखंडन्तर्गत टिकवे घाट एवं गिद्धेश्वर, कसवा गिद्धौर घाट के अन्दर हजारों वृक्षों की कटाई जारी है। परन्तु वन विभाग बेखबर सोये रहने तथा रख-रखाव नहीं करने का यह नमूना है। सरकार इस कटाई को रोकने का उपाय करे।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री प्रशान्त कुमार।

श्री प्रेम कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैंने कार्य-स्थगन दिया है....

अध्यक्ष : आपको मैं नहीं पुकारा हूँ। इसलिये आप बैठिये। माननीय सदस्य श्री राजा राम सिंह।

श्री राजा राम सिंह : अध्यक्ष महोदय, औरंगाबाद जिलान्तर्गत ओबरा प्रखंड में तेजपुरा गांव दलित-पिछड़ों का एक बड़ा गांव है, जहाँ मल्लाह जाति की बड़ी संख्या रहती है। यह सोन नदी के किनारे हैऔर सोन के कटाव से बुरी तरह प्रभावित है। कटाव को रोकने के लिए सुरक्षा प्रबन्ध की मांग सरकार से करता हूँ।

अबध बिहारी सिंह : अध्यक्ष महोदय, बिहार सरकार 1996 में प्राइवेट विद्यालयों को सी.बी.एस.ई.दिल्ली से सम्बद्ध होने के लिये अनाप्ति प्रमाण-पत्र धड़ल्ले से दे रही है। इस पर सरकार फिर से विचार करे।

नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा : अध्यक्ष महोदय, फतुहा- फुलवारी ग्राम विद्युत सहकारी सहयोग समिति, फतुहा से विद्युत वोर्ड में अधिग्रहण प्रक्रिया पूरा करने से संबधित विधान-सभा में सरकारी आश्वासन सं0-82/96 के संबंध में सरकार से वक्तव्य की मांग करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी बैठे हुये हैं, वे कृप्या ध्यान दें। 26.7.98 को अल्प-सूचित प्रश्न के माध्यम से मंत्री ने जो जवाब दिया, उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अध्यक्ष जी, आपके स्तर पर भी एक बैठक 17 जनवरी को हुई थी, उसमें भी आपने संबंधित सचिव को बुलाकर निर्देश दिया था कि इसका कार्यान्वयन हो और उसमें निर्णय भी लिया गया था। लेकिन आज तक सरकार के उस आश्वासन तथा अध्यक्ष महोदय के निर्देश के बावजूद कोई प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। जिसके चलते पूरे ग्रामीण क्षेत्रों में बिल का काम नहीं हो रहा है और कर्मचारियों का कोई उपयोग नहीं हो रहा है और वे केवल वेतन ले रहे हैं। इसलिये मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि सरकार के आश्वासन तथा अध्यक्ष महोदय के निर्देश के आलोक में कार्रवाई

की जाय। माननीय मंत्री जी बैठे हुये हैं, सरकार इस संबंध में क्या करने जा रही है?

जगदानंद सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपके निर्देश के कार्यान्वयन के लिये आज मैं बैठक बुला रहा हूँ। बैठक के बाद आपको और माननीय सदस्य को बता दूंगा कि उसका कितने दिनों में कार्यान्वयन होगा।

श्री सुशील कुमार मोदी : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री ने बैठक बुलाकर निर्णय कर दिया फतुहा-फुलवारी ग्राम-विद्युत संहकारी सहयोग समिति का बोझ ले लिया तो इसमें बाकी कर्मचारियों को निकाल देंगे तो वे लोग कहाँ जोयेंगे। जब आप दायित्व ले रहे हैं तो पूरा दायित्व सरकार ग्रहण करे और जो कर्मचारी हैं, उनको भी बिजली बोर्ड के अन्दर कहीं-न-कहीं एडजस्ट करें।

श्री जगदानंद सिंह : चर्चा होने के बाद जब हम आपके सामने आयेंगे तो अभी जो चर्चा दी गई, उसको ध्यान में रखते हुये सारी स्थिति को स्पष्ट करेंगे।

श्री अवधेश कुमार राय : अध्यक्ष महोदय, बेगूसराय जिला के अरबा हाथीपुर ग्रामीण पथ 2.5 कि०मी०। पूर्णतः टूट जाने से आवागमन बन्द है। मैं सरकार से मांग करता हूँ कि पथ की मरम्मति शीघ्र करायी जाय।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री प्रेम कुमार, आप अपना कार्य स्थगन पढ़ दें।

कार्यस्थगन

श्री प्रेम कुमार : अध्यक्ष महोदय, मगध विश्वविद्यालय बोध गया के शिक्षकेत्तर कर्मचारी वकाये वेतन का भुगतान, शिक्षकेत्तर कर्मचारी नेताओं पर जान लेवा हमला, विश्वविद्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, 32 सूत्री मांग रहित कुलपति, प्रतिकुलपति, कुल सचिव के बर्खास्तगी की मांग को लेकर 18 दिसम्बर, 96 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। मगध विश्वविद्यालय के वर्तमान कुलपति, कुल सचिव, प्रतिकुलपति के कार्यालय में घोर भ्रष्टाचार, वित्तीय अराजकता, शैक्षणिक गिरावट असामाजिक तत्वों के साथ विश्वविद्यालय प्रशासन के नापाक गठबंधन के चलते विश्वविद्यालय में अराजकता की स्थिति